CIVIC ACTION TEAMS

Nepal Coronavirus CivActs Campaign

अंक #५३

०७।५।२०७७

Coronavirus CivActs Campaign (CCC) सँ सरकार, सञ्चार माध्यम, संघसंस्था आ आम नागरिक बिचक सूचनाके दुरी कम कएक देशभैरसं संकलन कएलगेल हल्ला, नागरिकक जिज्ञासा आ प्रश्नसभ संकलन कए तथ्य पत्ता लगाएक आम नागरिकके सूचित करैत अछि । एहिसं आम नागरिकक आवश्यकताके पहिचान करवाक साथे हल्लासभहक कोनो नकारात्मक असर पहुचावस पहिलेहि सान्दर्भिक तथ्य आम नागरिक सभमे प्रवाह कए जोखिम न्युनिकरण करैत अछि ।

महामारीके समयमे अस्पतालमे लैंगिक हिंसा पीडितसभके पहिचान आ व्यवस्थापन विधि

०१ केहनो भी अवस्था होई तैयो लैंगिक हिंसा पीडितके सेवाके निरन्तरता देनाई ।

०२ अस्पतालमे ईलाजके क्रममे हिंसा भेल बात पहिचान भेलापर तुरुन्त एकद्वार संकट व्यवस्थापन केन्द्रके जानकारी कराएब ।

०३ कानुनी उपचारके लेल प्रहरीमे उजुरी देनाई ।

०४ ैगिक हिंसा पीडित आदमीके अस्पतालके आईसोलेशनमे राख परल त हुनका जरुरत परवला मनोसामाजिक परामर्श आ आरो सहयोग फोन मार्फत उपलब्ध कराएब ।

०५ पीडित वैकल्पिक देखभाल जरुरत परवला धियापुता छै त स्थानीय सरकार या सहयोगी संस्थाके जानकारी करालक सहयोग लेब ।

०६ अपना उपर भेल हिंसा या दुर्व्यवहारके सम्बन्धमे अभिव्यक्त कर संरक्षणके उपाय अवलम्बन करब ।

स्रोत: https://cutt.ly/md4HIlm

नेपाल अपडेट

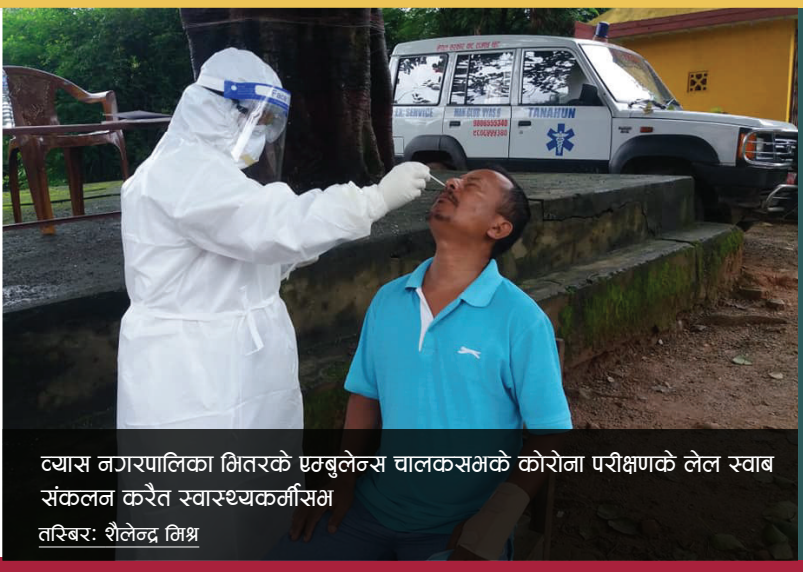

व्यास नगरपालिका भितरके एम्बुलेन्स चालकसभके कोरोना परीक्षणके लेल स्वाब संकलन करैत स्वास्थ्यकर्मीसभ

तस्बिर: शैलेन्द्र मिश्र

हल्ला र तथ्य

बेसी उमेर भेल आदमीके त कोभिड - १९ के संक्रमण होईतो बुखार नै अबै छै कहादन । केना पता चलत जे संक्रमण भेल छै ।

बेसी उमेर पुगल जेठ नागरिकके कोभिड - १९ के संक्रमण होईतो बुखार नै अबै छै से नै छै । जेठ नागरिकमे सामान्य तापक्रमे वयस्क के तुलनामे कम होब सकलाके कारण सँ बुखार एलापर समेत तापक्रम १०० डिग्री फरेनहाईट सँ कम देखा सकैत अछि । जेठ नागरिकमे एको बेर तापक्रम १०० डिग्री फरेनहाईट सँ उपर भेलापर, बहुते बेर तापक्रम ९९ डिग्री फरेनहाईट सँ बेसी देखेलापर या पहिलेके तापक्रम २ डिग्री सँ उपर गेलापर एकरा शंकास्पद लक्षणके रुपमे लेल जा सकैत छै ।

स्रोत: https://drive.google.com/file/d/1K7qNhAkzB2CGvFSIKe8WusjN_edHgCky/view

सरकार लक्षित वर्गके बिमारीके कोभिड - १९ महामारीके समयमे सेहो सेवा प्रवाहके व्यवस्था मिलाब कहने छै । अई लक्षित वर्गमे के के परैत छै ?

लक्षित वर्गके बिमारी कहला सँ सामाजिक सेवा इकाइ स्थापना तथा सञ्चालन निर्देशिकामे तोकलगेल अति/गरिब, असहाय, अपांगता भेल परिचय पत्र बाहक व्यक्ति, जेठ नागरिक (परिचय पत्र बाहक), लैंगिक हिंसा पीडित, विपद् एवम् प्राकृतिक प्रकोप - महामारी, भूकम्प, बाईढ, भूस्खलन, अग्नि आदी) सँ पीडित, दुर्घटनामे परल अभिभावक नै भेल बिमारी, सीमान्तकृत तथा लोपोन्मुख आदिवासी, जनजाती आदीके सम्झ परैत छै ।

स्रोत: https://cutt.ly/7d4JXD7

काठमाण्डौ उपत्यकामे कोरोनाके संक्रमण बढला संगे सार्वजनिक सेवा ठप्प छै । वैदेशिक रोजगारी सम्बन्धी उजुरी केना पेश करबै ?

सम्बन्धित आदमीके शिकायत देबकाल स-प्रमाण सहित वैदेशिक रोजगार विभागके ई-मेल ठेगाना info@dofe.gov.np आ monitoring@dofe.gov.np मे मात्रे पेश कर परतै । राहत उद्धार शाखासँ प्रदान होबवला आर्थिक सहायता सम्बन्धी सिफारिस लेब तथा उद्धारके लेल निवेदन पेश कर विभागमे आबहे परवला अवस्थाके सेवाग्राही मात्रे स्वास्थ्य मापदण्ड अनिवार्य पालना कलक सेवा लेब सकैत अछि ।

स्रोत: https://dofe.gov.np/DetailPage.aspx/id/155/lan/ne-NP

कर्णाली प्रदेशमे राईतमे प्रवेश कर रोक आ दिनमे प्रवेश कर पीसीआर रिपोर्ट अनिवार्य कएलगेल छै ?

कर्णाली प्रदेश विपद् व्यवस्थापन केन्द्रके बृहस्पतिदिन बैसल बैठक सँ कोरोनाके जोखिम सँ बचा स्वदेश तथा विदेश सँ आएल नागरिकके राईतक प्रवेश कर नैदेब आ दिनमे प्रवेशके लेल तीन दिन पहिलेके पीसीआर परीक्षणके रिपोर्ट अनिवार्य करके निर्णय केने अछि । ई निर्णय २०७७ भादव १ गतेसँ लागु कएल जाएल सेहो जनाओल गेल छै । तहिना कलक, कर्मचारी आ जनप्रतिनिधिके सेहो कर्णाली सँ अत्यावश्यक तथा सरकारी कामसँ जायकाल आ आबकाल पीसीआर परीक्षण कराक मात्रे आवाजाहीके व्यवस्था मिलाब बैठक निर्देशन दलचुकल अछि ।

स्रोत: https://www.facebook.com/cm.karnali/photos/

WhatsApp मार्फत हमरासभके विषयमे नियमित ताजा जानकारी पाब

१. आहाके कन्ट्याक्ट लिस्टमे +2760806146 एड करु
२. उपरका कन्ट्याक्ट नम्बरमे Nepal लिख्क म्यासेज पठाउ

COVID-19
को बारेमा बुझ्न नि:शुल्क हटलाईन

viamo द्वारा प्रस्तुत

कोभिड - १९ सम्बन्धि मंगानियेमे जानकारी लेबके लेल आहाके NTC सिमकार्ड सँ 32100 मे डायल करु

accountabilitylab NEPAL

Open Migration

मुख्य गन्तव्य राष्ट्रमा रहेका नेपाली कामदार

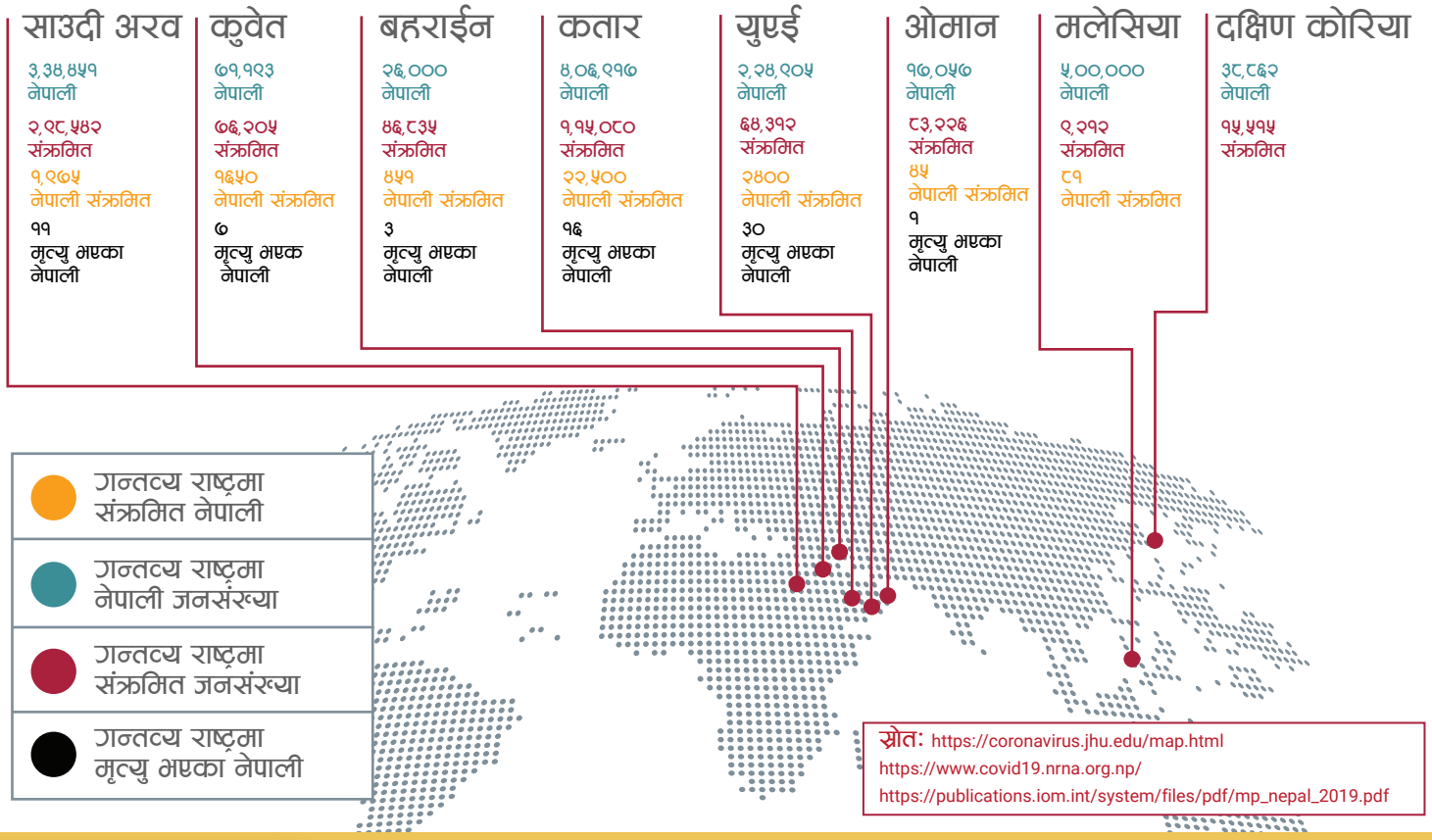

ShramikSanjal

यू.ए.ई.मे ३ महिनाके लेल आममाफी थपाएल

यू.ए.ई. कोरोना भाईरसके प्रभावके बेरमे ३ महिनाके Amnesty (आममाफी) देलगेल छलै । ई आममाफी आरो ३ महिनाके लेल थपाएल छै । भिजिट भिषा, टुरिष्ट भिषा, आ रेसीडेन्सी भिषा भेल आ १ मार्च, २०२० सँ पहिले भिषा खतम भेलसभ अईमे सहभागी भसकैत अछि ।

आममाफीके समय १७ नोभेम्वर, २०२० तक रहतै । पहिले एकर म्याद १८ अगष्ट, २०२० तक मात्रे छलै।

आममाफी पौने आ रेसिडेन्सी भिषा भेलसभ सिधे पासपोर्ट आ टिकट ललक एयरपोर्ट जालसकैत छी । भिजिट भिषा आ टुरिष्ट भिषा भेलसभ मुदा दुबईमे ४८ घण्टा पहिले, सारजाह, आबुधाबी, रास-अल खैमामे उडान होब सँ ६ घण्टा पहिले पहुचक Clear कराब परत ।

१ मार्च, २०२० के बाद भिषा खतम भेलसभके हकमे ई नियम लागु नै हेतै ।

आममाफीसँ सम्बन्धित आरो कोनो जिज्ञासा भेलामे टोल फ्री नम्बर ८००४५३ मे सम्पर्क कलसकैत छी ।

श्रोत: Khaleej Times

www.facebook.com/shramik.sanjal सँ आहाँ प्रत्येक रविदिन, बुधदिन आ शुक्रदिन साझँमे UAE Time (8:00 PM), Qatar, KSA, Kuwait (7:00 PM) Malaysia (12 Midnight) हमरासभके लाईभ देख सुन सकैत छी ।

accountabilitylab NEPAL

$ फलो द मनी - खर्चको अर्थ

संघिय सरकार

जम्मा

तिन पटक गरेर नेपाल सरकार अर्थ मन्त्रालय मार्फत छुट्याईएको

करिब १ अर्व ४८ करोड

कोरोना भाईरस जोखिम नियन्त्रण, रोकथाम तथा नियन्त्रण कोषमा जम्मा

करिब २ अर्व २६ करोड

दाता

ए.डि.बि.
करिब ३० अर्व ३३ करोड

विश्व बैंक
करिब ३ करोड ४८ लाख

आई.एम.एफ.
करिब १५ अर्व ८८ करोड

युरोपियन युनियन
करिब ९ अर्व ९४ करोड

खर्च

कोरोना भाईरस विरुद्धका गतिविधिमा नेपाल सरकारले गरेको खर्च स्वास्थ्य मन्त्रालयलाई निकासा

करिब ४ अर्व १० करोड

रक्षा मन्त्रालय माफर्त कोरोना रोकथाम र नियन्त्रणका लागि चाहिने स्वास्थ्य उपकरण खरिदको लागि

२ अर्ब ३४ करोड निकासा

प्रदेश सरकार

प्रदेश	प्रदेश १	प्रदेश २	बागमती प्रदेश	गण्डकी प्रदेश	प्रदेश ५	कर्णाली प्रदेश	सुदुरपश्चिम प्रदेश
जम्मा रकम	करिब २९.४ करोड	करिब २६.६ करोड	करिब ४२.९ करोड	करिब १८.३ करोड	करिब १५.६ करोड	करिब २५.४ करोड	करिब ४२.५ करोड
खर्च गरिएको रकम	करिब १९.३ करोड	करिब १३.३ करोड	करिब १३.६ करोड	करिब १५.४ करोड	करिब ७.७९ करोड	करिब २३.९ करोड	करिब ३६.४ करोड

आ.व. २०७५/७६ मे सातो प्रदेशमे भेल बेरुजुके तुलनात्मक अध्ययन

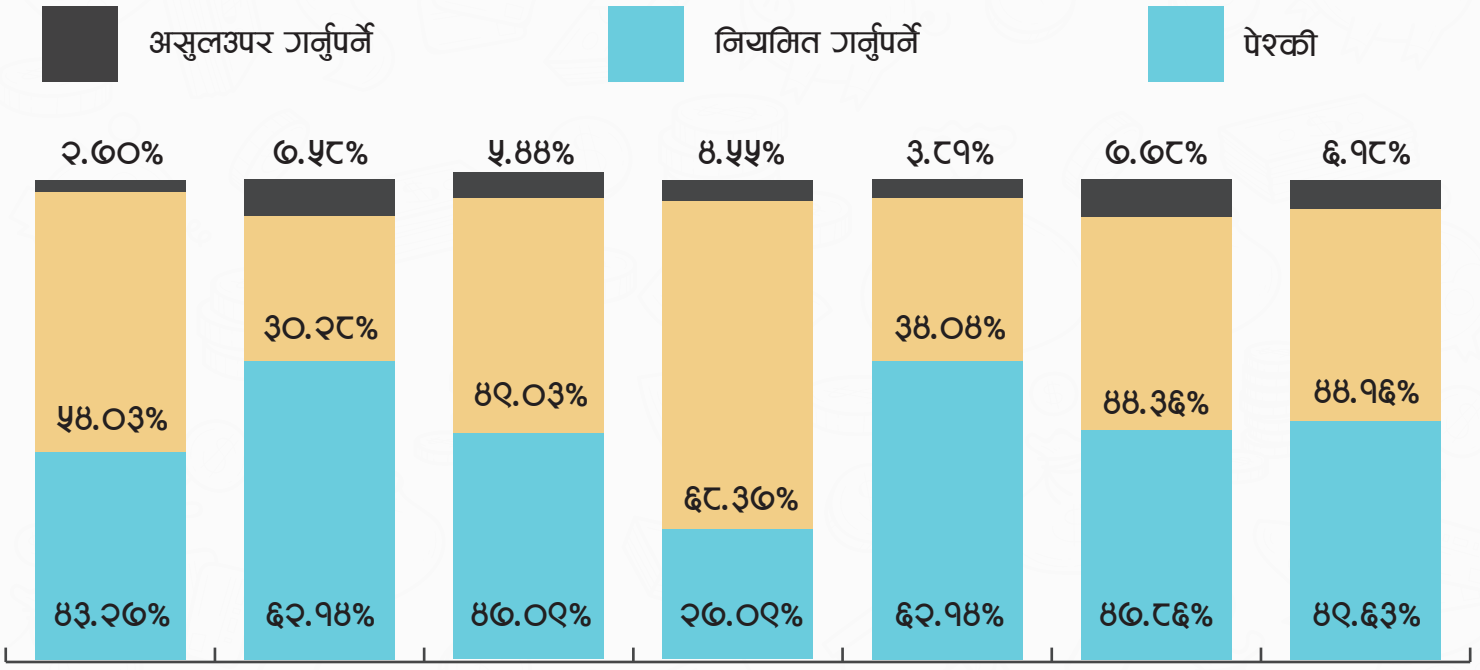

हरेक प्रदेशके जम्मा लेखा परीक्षण भेल रकमके बेरुजु प्रतिशत

accountabilitylab NEPAL

$ फलो द मनी - खर्चको अर्थ

हरेक प्रदेशके विकाससंगे विकाससँ सम्बन्धित मन्त्रालयमे भेल बेरुजु प्रतिशत

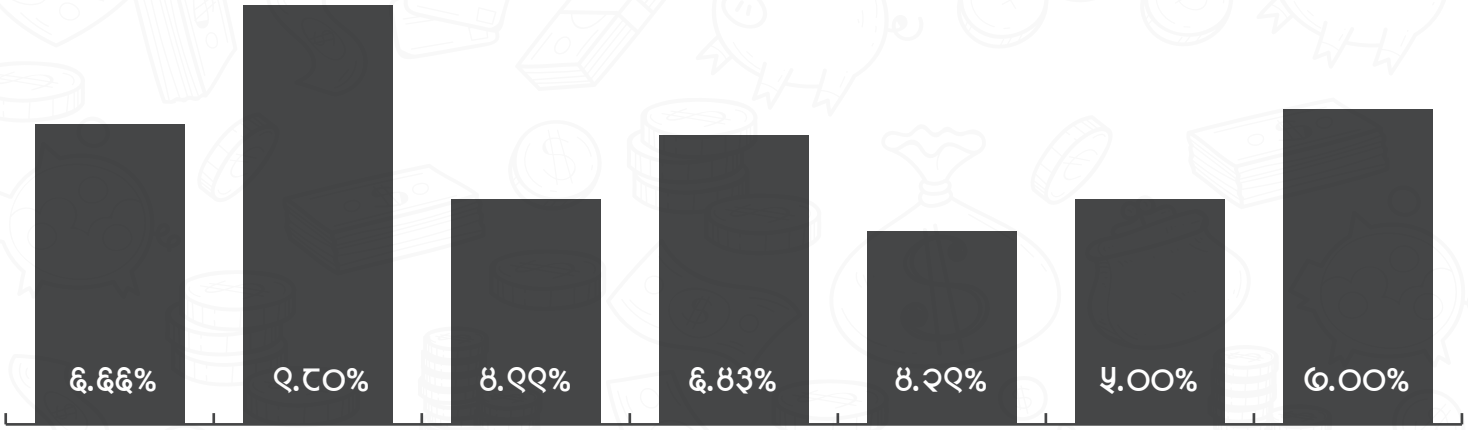

९७.५८%	८४.४७%	९९.९०%	९९.७५%	९९.४०%	९९.५५%	९४.७०%

हरेक प्रदेशमे मन्त्रालयगत विकासमे भेल जम्मा बेरुजु प्रतिशत

सब तहके सरकारमे बेरुजु कम केनाई प्रमुख समस्या छै । नेपालमे संघियता कार्यान्वयन भेल समये सँ प्रदेश सरकारके आर्थिक व्यवस्थापन संघिय सरकार सँ केना भिन्न बनाएब से बहस शुरु भेल छै । प्रदेश सरकारके अधिकांश निर्वाचित प्रतिनिधिसभ संघिय सरकार सँ प्रभावकारी तवरसँ श्रोतसाधनके व्यवस्थापन करब कहने छलै । यद्यपी, वित्तिय व्यवस्थापनके लेल मात्रे मापदण्ड बनाब परत से नै छै, लेकिन वित्तिय व्यवस्थापन भेनाई के मतलब समग्र व्यवस्थापनमे सहयोग पुगानाई मुदा आवश्यक छै । तसर्थ, प्रत्येक प्रदेशमे देखाएल बेरुजु सँ ओतके वित्तिय व्यवस्थापनके अवस्था केहन छै से देखाबैत छै ।

उपरका ग्राफमे विकास सँ सम्बन्धित काज करवला मन्त्रालयसभ (भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय, सामाजिक विकास मन्त्रालय, उद्योग, पर्यटन तथा वन मन्त्रालय, भूमि सुधार, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय) के बेरुजु प्रतिशत आ ओई मन्त्रालयके जम्मा लेखापरीक्षण भेल रकमके तुलना कएलगेल छै । ई मन्त्रालयसभ प्रदेशके विकास सम्बन्धी काजसभ करैत अछि । ओकरासभके आर्थिक अवस्था सँ सम्पूर्ण प्रदेशके विकासके प्रभावित करैत अछि । प्रदेश नं. २, गण्डकी प्रदेश आ प्रदेश नं. १ के विकास सम्बन्धी काज करवला मन्त्रालयमे मात्रे बहुते बेरुजु भेल देखल जासकैत अछि । अई बाहेक, विकास सँ सम्बन्धित मन्त्रालयमे मात्रे १०० प्रतिशत बेरुजु देखेनाई सँ सब प्रदेशके विकास काजमे अई सँ असर केने छै ।

तहिना कलक, बेसी मात्रामे अग्रिम भुक्तानी देखेनाई चिन्ताके विषय छै । पेश्की फछ्र्यौटके आर्थिक उत्तरदायित्वके रुपमे देखके चाहि । पेश्कीमे बेसी बेरुजु देखायमे कर्मचारीसभ बेसी जिम्मेबार देखाईत अछि । सब प्रकारके अग्रिम भुक्तानीसभ आर्थिक वर्ष खतम होबसँ पहिले मिलान भ गेल होबके चाहि । यद्यपी, उपरके ग्राफके देखबै त, कोनो भी प्रदेश अईके पालना नै केने नै देखाईत छै ।

नोट: हमरासभके उद्देश्य सरकारद्वारा कयलगेल बढिया काज आ छुट्याओलगेल बजेटके विषयमे सबके जानकारी होई आ तेकरबाद अई विषयमे नागरिक आ आरो सरोकारवालाके बीचमे बातचित भलक सरकारके पर्याप्त पृष्ठपोषण प्राप्त होई से अछि । एत प्रस्तुत विवरण पूर्ण नै छै । उपलब्ध माध्यमसँ संग्रह कलक राखलगेल अछि । आरो सही तथ्यांक संकलन कलक परिमार्जन करैत जायब । अईमे सबकोईके सहयोग क देब लेल आग्रह करैत छी ।

accountabilitylab NEPAL

फ्रन्टलाईनर्स भोईसेस्

आरती मेस्तर

सरसफाई कर्मचारी, जलेश्वर अस्पताल

"हम जलेश्वर अस्पतालमे सरसफाई कर्मचारी छी । हमर घरवला लक्ष्मण मेस्तर अखन कोभिड - १९ अस्पतालके आइसोलेशनमे सरसफाई करैत छैथ । घरमे बच्चासभ छै । पति पत्नी दूनू अस्पतालके सरसफाईमे काज करवला भेला सँ कार्यक्षेत्र मे मात्रे नै कि घरमे समेत समेत कोरोना भाइरसके डर सताबैत रहैत अछि । तहि सँ काम खतम कलक घर गेलापर घरमे अपन सरसफाई पर बेसी ध्यान दैत छी । अस्पतालमे घरे सँ आनल कपडा पहिरक सरसफाई करलापर जोखिम बेसी होईत छै से बात हमरा बुझल अछि, लेकिन सरसफाई करैत काल लगाबपरवला अलगे कपडाके लेल अस्पतालके आग्रह करलाके बादो देने नै अछि ।"

भरत ठाकुर

हेल्थ असिस्टेन्ट, जलेश्वर कोभिड - १९ अस्पताल

"शुरुके दिनसभमे संक्रमितके नातेदारसभ अस्पतालमे आईब कल आइसोलेसनमे रहल के भेट करादेब कहैत छल । तहिना भेट कर देनाई जोखिमपूर्ण छै से हमरासभके पता छल लेकिन, हुनकासभके समझाब मे बहुते समय बर्बाद कर परैत छलै । भेट कराब नै सकब से जानकारी देलापर झगडा करतक अबैत छलै । धिरे धिरे कोरोना भाईरसके विषयमे बास्तविकता बुझ लगलापर आब आदमीसभ अपन आदमीसँ भेट करादिय कहनाई छोईर देने अछि । हमसभ अपने सेहो जोखिममे छी । लेकिन, फेर हमहिसभ डराक भागि जायब त अई समयमे बिमारीके के देखत से लगैत अछि । तहि उत्प्रेरणा सँ काम कलरहल छी ।"

मायानाथ सिलवाल

जनप्रतिनिधि, ज्वालामुखी - ७, धादिङ

"जखन त्रसित होब परवला अवस्था नै छलै, तखन स्थानीयसभ सइक अपने बन्द केनाई, सइकपर तारबार लगाबैत छल । लेकिन, अखन कोरोना घर अँगनामे आबि चुकल छै । ज्वालामुखिमे ३३ कोईके कोरोना संक्रमण पुष्टि भचुकल छै । अखनके समयमे स्थानीयके सोचाईमे कोरोना रोकथाम सरकार आ जनप्रतिनिधिके मात्रे कर परत से भेलाके कारण व्यवस्थापनमे समस्या आबीरहल छै । जनप्रतिनिधि, सरकार आ स्थानीयके सहकार्यसँ मात्रे कोरोना न्यूनीकरण करल जासकैत छै से हमसभ बुझने छी आ अहि अनुरुप क्वारेन्टाइन व्यवस्थापन लगाएतके प्रयासमे लागल छी ।"

कोभिड - १९ के कारण मानसिक स्वास्थ्यमे असर

विश्वव्यापी कोरोना भाईरसके प्रभाव फैलल संगे आदमीके मानसिक स्वास्थ्यपर सेहो ओतबे असर केने छै । प्राय: जेना विद्यालय, यातायात सेवा, होटल, व्यवसाय, उद्योगसभ आ आरो काजसभ ठप्प भेल छै । कोभिड - १९ के प्रकोप आ तेकरबादके लकडाउनके कारण सँ सामाजिक, मानसिक, सांस्कृतिक आ राजनीतिक क्षेत्रमात्रे नै छै, तै सँ देशके अर्थतन्त्रमे समेत भारी असर करत तै मे दूमत नै छै । तहिना कलक, दैनिक मजदूरीमे निर्भर आदमीसभके दैनिकी दिन प्रतिदिन जटिल बनैत जारहल अछि ।

कोभिड - १९ के कारण सँ लकडाउनके चाईर महिनाके अवधीमे नेपालमे २००० सँ बेसी आदमीसभ आत्महत्या कलचूकल अछि । घरेलु हिंसा, उत्पीडन, बलात्कार, भ्रष्टाचार, शोषण, सामाजिक लान्छना लगाएत बहुते घटनासभ सञ्चार माध्यमसभके माध्यम सँ बाहर आबीरहल छै । अन्तत: एहन तरहके समस्या सँ मानसिक स्वास्थ्यमे प्रतिकुल असर करैत छै । तहि सँ अखनके अवस्थामे मनोसामाजिक परामर्शके जरुरत सेहो बढैत जारहल छै । नेपालमे कोभिड - १९ के संक्रमण बढला संगे मनोसामाजिक तथा मानसिक स्वास्थ्य सम्बन्धी निचा देलगेल समस्यासभ देखाएल अछि ।

१. अत्याधिक डर त्रास आ चिन्ता बढ्नाई ।

२. पित्त उठनाई, निरास भेनाई आ अकेलापन महसुस भेनाई ।

३. भ्रमित भेनाई तथा ध्यान केन्द्रित कर नै सकनाई ।

४. खायपियवला आदत तथा व्यवहारमे परिवर्तन एनाई ।

५. अत्यधिक धुम्रपान, मद्यपान तथा लागुपदार्थ सेवन केनाई ।

६. निन्द खलबलेनाई आ थकित महसुस केनाई ।

७. दैनिक समस्या आ तनावके सामना कर असमर्थ भेनाई आ अत्यधिक कल्पनामे डुबनाई ।

८. आदमीके बुझिक परिस्थितीके सामना कर नै सकनाई ।

९. अत्याधिक बेमेल या हिंसा बढ्नाई ।

१०. आत्महत्या करके सोच एनाई ।

कोभिड - १९ महामारी आ अई सँ सृजित तनावके व्यवस्थापन केना करब तै सम्बन्धमे नागरिकके सुसूचित कर निचादेलगेल बातसभ करल जासकैत अछि:

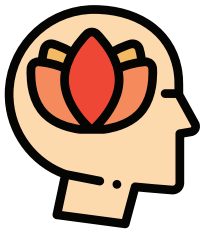

१. सत्य तथ्य जानकारी मात्रे प्रवाह करब ।

२. जरुरत पहिचान कर नेतृत्वदायी भुमिका निर्वाह करब ।

३. दैनिक कार्ययोजना बनेनाई आ घरमे सुरक्षित रहब ।

४. परिवारके सदस्यसंगे बेसी समय बितेनाई आ सहयोग करब ।

५. तथ्यांक संकलन आ अद्यावधिक अवस्थाके लेल युवा परिचालन करब ।

६. सुरक्षा आ सचेतना फैलाब भर्चुअल कार्यक्रम सञ्चालन करब ।

७. परामर्श तथा मनोसामाजिक सहयोग उपलब्ध कराएब ।

८. परिवारके सदस्य आ आरो आदमीके देखभाल करब, हुनकासभके बात सुनब आ मनोचिकत्सकके सल्लाह लेब ।

कुशुम केसी, लेखक जनस्वास्थ्यका विद्यार्थी हुन्

सही सूचना

कोभिड - १९ सँ मृत्यु होबवला पहिल १०० कोईके देखला सँ बेसी उमेर समुहके संख्या बहुते

उमेर समुह अनुसार नेपालमे कोभिड - १९ सँ मृत्यु होबवला पहिल १०० कोई

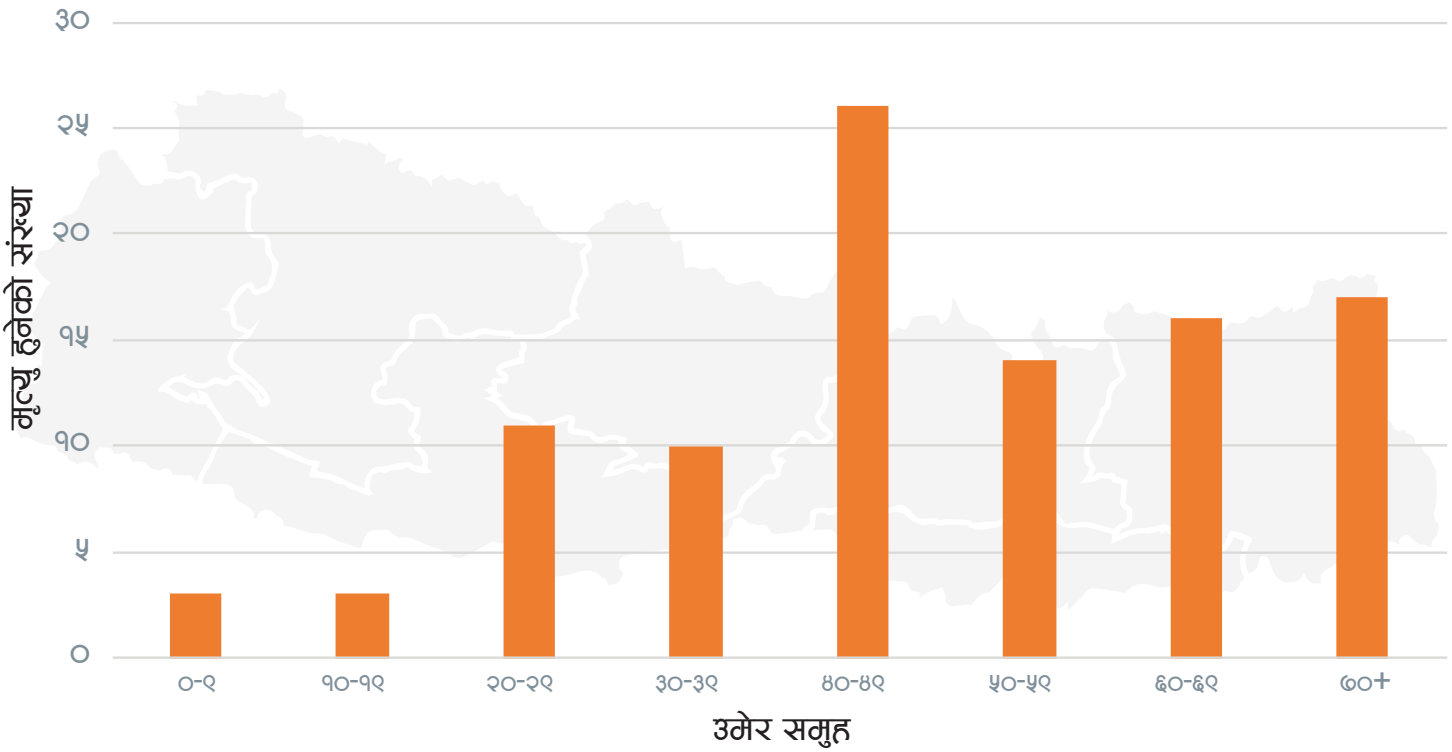

उपरके ग्राफ सँ उमेर समुह अनुसार नेपालमे कोभिड - १९ सँ मृत्यु होबवला पहिल १०० कोईके तथ्यांकके देखाबैत छै । प्राय: जेना संक्रमितसभ ४० वर्ष सँ निचाके उमेर समुहके भेलाके बादो, उच्च मृत्युदर मुदा ४० सँ ४९ वर्ष उमेर समुहके छै । सब सँ कम मृत्युदर २० वर्ष सँ कम उमेर समुहके छै । प्राय: मृतकसभ पहिलेसँ आरो कोनो रोग सँ ग्रसितसभ रहल अछि । तथ्यांकसँ वयस्क आ बेसी उमेरके बहुते आदमीके मृत्यु भेला सँ, ओई उमेर समुहके आदमीसभके बेसी सचेत होब परत से देखाईत छै ।

स्रोत: HEOC, MoHP, SitRep

DISCLAIMER

एहि अंकमे समेटलगेल हल्ला, सवाल तथा सूचनासभ, बहुतरास संस्था तथा आदमी, नेपाल सरकार स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय आ विश्व स्वास्थ्य संगठनके वेब पेज, सामाजिक सञ्जाल, ७ टा प्रदेशमे रहल कम्युनिटी फ्रन्टलाईनर्स (समुदायमे आगु आबिक काज करवलासभ) आ सिभिक एक्सन टिम (नागरिक कार्य समूह) द्वारा अहि अगस्त महिना भितर २००० सँ बेसी आदमीसंगेके बातचितसँ संकलन कएलगेल अछि । विषयके महत्व, सान्दर्भिकता आ तीव्रताके ध्यान दलक हल्ला, सवाल तथा जिज्ञासासभ चयन कएलगेल अछि । अई अंकमे समेटलगेल जानकारी बुलेटिन प्रकाशित भेल मितितक सत्य अछि ।

Coronavirus CivActs Campaign is brought to you by **Accountability Lab Nepal**.

accountabilitylab communities

@CivicActionTeams @civacts @CivActs

CivActs | Email: civactsnp@accountabilitylab.org | Phone: 9851203219